

अध्यक्ष की कलम से...



डॉ. आदर्श कुमार दुरेजा
अध्यक्ष, परमाणु विज्ञान

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई द्वारा प्रकाशित **परमाणु विज्ञान** का नवीनतम अंक आपको भेंट करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। सामाजिक सरोकार से जुड़े वैज्ञानिक एवं तकनीकी विषयों के प्रतिपादन में **परमाणु विज्ञान** की भूमिका अहम है। यह सर्वविदित है कि हिंदी में मूल रूप से वैज्ञानिक लेखन करने वाले लेखकों की संख्या अत्यंत अल्प है, फिर भी, हमारा प्रयास रहेगा कि **परमाणु विज्ञान** पत्रिका में उत्साही लेखकों को लेख प्रस्तुत करने हेतु प्रेरित करते हुए, उनके लेखों के माध्यम से, इसे समकालीन हिंदी वैज्ञानिक पत्रिकाओं से उत्कृष्ट बनाया जा सके।

पूर्णता में पल्लवित होना ही मनुष्य जीवन की परिसीमा होती है। इस आशय हेतु वसुधा के सभी हिस्सों का संतुलित विकास हो। परमाणु विज्ञान का यह अंक इसी दिशा में एक प्रयास है। यह अंक 16 लेखों का संग्रह है, जिसमें विज्ञान की विविध शाखाओं जैसे कृषि, आयुर्विज्ञान, प्रौद्योगिकी, विकिरण, पर्यावरण, हरित ऊर्जा, शून्य कार्बन उत्सर्जन इत्यादि को शामिल किया गया है। इसमें सुधी लेखकों द्वारा ब्यौरे-वार चर्चा की गई है। हमें विश्वास है कि यह अंक पाठकों की वैज्ञानिक सोच एवं कौशल को समृद्ध करेगा।

भारतीय भाषाएं मानव जीवन के विभिन्न क्रियाकलापों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। आज विज्ञान एवं तकनीकी में नित नये प्रयोग एवं अनुसंधान के फलों को सहज एवं सरल पठनीय हिंदी भाषा के माध्यम से देश के कोने-कोने तक पहुंचाना हम सभी का संकल्प होना चाहिए। इसके लिए, हम सभी को प्रतिबद्धता के साथ प्रयत्न करते हुए आगे बढ़ते रहना है।

सभी सुधी पाठकों से अपेक्षा है कि वे पत्रिका के संबंध में सुझावों एवं प्रतिक्रियाओं से हमें निरंतर अवगत कराते रहें ताकि इसमें यथा-संभव सुधार एवं परिष्कार किया जा सके। आप जिन विषयों से संबंधित लेखों को इस पत्रिका के माध्यम से पढ़ना और समझना चाहते हैं उसे अपने पत्र/ई-मेल के द्वारा अवगत कराएं ताकि उन विषयों को आगामी अंकों में शामिल कर इसे और अधिक रुचिकर बनाने का प्रयास किया जा सके।

हम पत्रिका के परामर्श एवं संपादन समिति के सदस्यों के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने अपने विषय-विशेषज्ञता के माध्यम से इस पत्रिका में प्रकाशित लेखों को समुचित आकार प्रदान करने में सहयोग किया है। हम, इस अंक में प्रस्तुत लेखों के लेखकों के प्रति भी आभार प्रकट करते हैं जिन्होंने ससमय लेख प्रस्तुत करने के साथ अन्य प्रकार के आवश्यक सहयोग भी दिए। हमें पूर्ण विश्वास है कि इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी सहयोगियों, लेखकों, लेखकों को लेखन कार्य हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने वाले महानुभावों का भरपूर सहयोग आगे भी मिलता रहेगा।

आप शुभ-चिंतकों के बहुमूल्य सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।


(डॉ. आदर्श कुमार दुरेजा)